देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर

प्रेस–विज्ञप्ति

इन्दौर, 26 जुलाई 2024। विश्वविद्यालय कार्यपरिषद् की बैठक आज नालंदा परिसर में सम्पन्न हुई। बैठक के प्रारंभ में माननीय कुलगुरु प्रो. रेणु जैन जी के कार्यकाल के सफलतापूर्वक 5 वर्ष पूर्ण होने पर समस्त कार्यपरिषद् सदस्यों द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया साथ ही गुरूपूर्णिमा महोत्सव के सफल आयोजन हेतु माननीय कार्यपरिषद् सदस्यों ने कुलगुरु जी को बधाई प्रेषित की।

आज की बैठक में कैरियर एडवांस योजना के अंतर्गत नियमित एवं स्ववित्त के कुल 72 शिक्षकों की पदोन्नती हेतु, चयन समिति की अनुशंसा को कार्यपरिषद् ने स्वीकृति प्रदान की। कार्यपरिषद् सदस्य श्री अनंत पवार जी ने सुझाव दिया कि भारतीय ज्ञान परंपरा से संबंधित पुस्तकें विश्वविद्यालय की लाईब्रेरी में उपलब्ध कराई जाए साथ ही उन्होने सुझाव दिया कि स्ववित्त कर्मचारियों को भी ग्रुप इंश्योरेंस की सुविधा प्रदान की जानी चाहिए। कार्यपरिषद् सदस्य डॉ. ए.के. द्विवेदी ने कहा कि विश्वविद्यालय के किसी भी कर्मचारी, शिक्षक एवं अधिकारी को सीधे न्यायालय नही जाना चाहिए, पहले अपना पक्ष विश्वविद्यालय के समक्ष रखना चाहिए। कार्यपरिषद् सदस्य डॉ. ओम शर्मा जी ने सुझाव दिया कि विश्वविद्यालय के प्रशासनीय कार्यो में अंग्रेजी के साथ हिन्दी तिथि एवं पंचांग का उल्लेख करना चाहिए। कार्यपरिषद् सदस्य श्रीमती मोनिका गौड़ जी ने सुझाव दिया कि विश्वविद्यालय के सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों हेतु बायोमेट्रिक्स द्वारा उपस्थिती अनिवार्य की जानी चाहिए। कार्यपरिषद् सदस्य श्रीमती वैशाली वाईकर ने सुझाव दिया कि विश्वविद्यालय में प्रवेश लेने वाले प्रत्येक विद्यार्थी को एक वृक्ष लगाकर उसकी देखभाल की जिम्मेदारी लेनी चाहिए एवं विश्वविद्यालय द्वारा ऐसे विद्यार्थी को प्रमाण पत्र दिया जाए। कार्यपरिषद् सदस्यों के सभी सुझाव सर्वसम्मति से मान्य किए गए।

जीवन विज्ञान अध्ययनशाला में पशु चिकित्सक की नियुक्ति करने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की गई। विश्वविद्यालय के पुराने टेबुलेशन चार्ट के डिजिटलीकरण करने के प्रस्ताव को मान्यता प्रदान की गई। भौतिकी अध्ययनशाला के प्रध्यापक डॉ. यजुवेन्द्र चोयल के रिसर्च प्रोजेक्ट हेतु उपकरण क्रय करने के लिए रू. 47 लाख 95 हजार के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की गई। आई.ई.टी. संस्थान में डुएल डेस्क क्रय करने हेतु रू. 42 लाख स्वीकृत किए गये। इंटरनेट नेटवर्क अपग्रेड करने के लिए रू. 15 लाख 95 हजार स्वीकृत किए गए। विश्वविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों की सुविधा हेतु बस एवं एम्बुलेंस क्रय करने के लिए रू. 35 लाख स्वीकृत किए गए।

विश्वविद्यालय के आई.ई.टी. परिसर में भारत सरकार की ''प्रधानमंत्री जन विकास कार्ययोजना'' के अंतर्गत जैन अध्ययन केन्द्र की स्थापना से संबंधित डीपीआर को कार्यपरिषद् ने मान्यता प्रदान की। विद्या संबंधी योजना एवं मूल्यांकन बोर्ड की अनुंशसा के अनुसार एक पृथक विभाग स्थापित कर, School of Aviation, Tourism, Hospitality and Management जैसे व्यवसायिक पाठ्यक्रम चलाये जाने के प्रस्ताव को कार्यपरिषद् ने मान्य किया। विश्वविद्यालय की स्टैंडिंग कमेटी द्वारा दी गई अनुशंसा के आधार पर कार्यपरिषद् ने निर्णय लिया कि जिन महाविद्यालयों में उचित संख्या में शिक्षको की नियुक्ति नही की गई है वहां विद्यार्थियों की सीट्स को कम कर दिया जाए।

डॉ. चन्दन गुप्ता
मीडिया प्रभारी